NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th
Subject : हिंदी
Chapter : 4
Chapter Name : आत्मकथ्य

Q1 कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?
Answer.
कवि आत्मकथा लिखने से इसलिएबचना चाहता है क्योंकि कवि अपने जीवन की व्यथा बताकर किसी को पीड़ित नहीं करना चाहते और ना ही संसार में मज़ाक का पात्र बनना चाहता है।

Page :- 29 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q2 आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है?
Answer.
आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा इसीलिए कहता है क्योंकि आत्मकथा लिखकर कवि मन में दबे हुए कष्टों को मिल करके दुखी नहीं होना चाहता है। अपनी छोटी सी कथा को बड़ा आकार देने में वह असमर्थ हैं। अभी उसकी पीड़ा से हृदय में दबी हुई है। उसका जीवन दुखों और अभावों की यादगार है जिन्हें याद कर वह दुखी नहीं होना चाहता।

Page :- 29 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q3 स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?
Answer.
कवि ने अपने जीवन की सुखद स्मृति को पाथेय कहा है क्योंकि वही सुखद स्मृतियां उसे शेष जीवन जीने में सबलता प्रदान करती हैं। जैसे थका हुआ यात्री शेष रास्ता देखते हुए अपनी मंजिल पा जाता है वैसे ही कवि उन यादों के सहारे अपना शेष जीवन बिता लेगा। मनुष्य अपनी सुखद स्मृतियों की याद तथा दोबारा जीवन में सुख को पाने की इच्छा में अपना सारा जीवन व्यतीत करता है।

Page :- 29 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q4 भाव स्पष्ट कीजिए -
(क) मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया।
आलिंगन में आते-आते मुसक्या कर जो भाग गया।
(ख) जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में।
अनुरागिनी उषा लेती थी निज सुहाग मधुमाया में।

Answer.

(क) प्रस्तुत पंक्तियां छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित आत्मकथ्य कविता से ली गई है। कवि ने जीवन के यथार्थ का वर्णन करते हुए कहा है कि उसे वह सुख नहीं मिल सका जिसकी वह कल्पना कर रहा था। उसे सुख मिलते मिलते रह गया अर्थात इस दुनिया में सुख छलावा मात्र है। मनुष्य के सपने कभी हकीकत नहीं होते। जरूरी नहीं है कि सुख के सपने पूरे साकार हों। कभी कहना चाहता है कि जीवन में सुख क्षणिक है।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियां छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित आत्मकथ्य कविता से अवतरित हैं। कवि ने इन पंक्तियों में जीवन के सुखद क्षणो की अभिव्यक्ति की है। यही सुखद क्षण उसके जीवन का पाथेय है। कवि अपनी प्रेयसी के सौंदर्य का वर्णन करते हुए कहता है कि नायिका के गाल में इतनी लालिमा थी कि उषा भी उसमें अपना सुहाग ढूंढती थी। अतः नायिका का सौंदर्य अनुपम था।

Page :- 29 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q5 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की' – कथन के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
Answer.
कवि यह कहना चाहता है कि वह अपनी सुखद क्षणो की गाथा को किन शब्दों में बयान करें। जीवन के कुछ अनुभवों को गोपनीय रखना ही उचित होता है। वह समय बहुत सुखद था।

Page :- 29 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q6 'आत्मकथ्य' कविता की काव्यभाषा की विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।
Answer.
'आत्मकथ्य' कविता की काव्यभाषा की विशेषताएँ निम्नलिखित है:-कविता की भाषा ललित, सुंदर एवं माधुर्य गुण युक्त है।कवि ने मुक्तक छन्द में भी लय की सृष्टि की है।अनुप्रास,रूपक और प्रश्न अलंकार द्वारा भाषा के सौंदर्य ने निखार उत्पन्न किया है।नवीन शब्दों का प्रयोग किया गया है। भाषा कवि के भावों को अभिव्यक्त करने में पूर्ण समर्थ है।

Page :- 29 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q7 कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है?
Answer.
कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था उसे नायिका के माध्यम से व्यक्त किया है और कहा है कि नायिका स्वप्न में उसके पास आते-जाते मुस्कुरा कर भाग गई। अतः उसे उसका सुख नहीं मिला, वह बस छलावा था।
Page :- 29 , Block Name :- प्रश्न अभ्यास

Q8 इस कविता के माध्यम से प्रसाद जी के व्यक्तित्व की जो झलक मिलती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।
Answer.

प्रसिद जी एक सीधे-सादे व्यक्तित्व के इंसान थे। उन्होंने कभी अपने जीवन में दिखावा नहीं कीया। वे अपनी कमजोरियों को अपने तक ही रखना चाहते थे। वह खुद को हंसी का पात्र नहीं बनाना चाहते। इस कविता में उनकी यथार्थवादी प्रवृत्ति भी है और विनम्रता भी।

Page :- 29 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q9 आप किन व्यक्तियों की आत्मकथा पढ़ना चाहेंगे और क्यों?
Answer.
हम महात्मा गांधी, भगत सिंह, सरोजिनी नायडू, आदि क्योंकि इन महान व्यक्तियों ने समाज एवं देश के हित के लिए बहुत कुछ किया। वह समाज के आदर्श है। इनसे हमें बहुत कुछ सिखने को मिलेगा।

Page :- 29 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

Q10 कोई भी अपनी आत्मकथा लिख सकता है। उसके लिए विशिष्ट या बड़ा होना जरूरी नहीं। हरियाणा राज्य के गुड़गाँव में घरेलू सहायिका के रुप में काम करने वाली बेबी हालदार की आत्मकथा बहुतों के द्वारा सराही गई। आत्मकथात्मक शैली में अपने बारे में कुछ लिखिए।
Answer.
छात्र स्वयं करें।

Page :- 29 , Block Name :- रचना और अभिव्यक्ति

aglasem.com